पाठ्यपुस्तक के

लोकोक्तियाँ और मुहावरे

बड़े भाई साहब (प्रेमचंद)

- **अंधे के हाथ बटेर लगना** *(अयोग्य व्यक्ति को मूल्यवान वस्तु प्राप्त हो जाना)* कमाल की बात है! रजनी ने बीए तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण की है और उसे शानदार नौकरी मिल गई। यह तो अंधे के हाथ बटेर लगने जैसी बात हुई। **CCE 2012**
- **आड़े हाथों लेना** *(खरी-खोटी सुनाना)* आज शीला को विद्यालय में बहुत देर हो गई थी, इसलिए घर पहुँचते ही उसकी माताजी ने उसे आड़े हाथों लिया। **CCE 2012**
- **उड़ जाना** *(गायब हो जाना)* आज सुबह से ही मैं अपने पर्स को तलाश कर रहा हूँ, न जाने कहाँ उड़ गया है।
- **खून जलाना** *(कठिन परिश्रम करना)* रीता ने अपने भाई का भविष्य बनाने के लिए अपना खून जलाने में भी परहेज नहीं किया।
- **गाढ़ी कमाई** *(मेहनत से की गई कमाई)* मुझे इस बात का बहुत दु:ख है कि मेरे मित्र के पुत्र ने अपने पिता की गाढ़ी कमाई को शराब और जुए में गँवा दिया।
- **गिरह बाँधना** *(मन में बैठा लेना)* मैंने छोटे भाई से कहा कि इस बात को गिरह बाँध लो कि ईमानदारी का कोई विकल्प नहीं है।
- **घुड़कियाँ खाना** *(डाँट-डपट सहना)* तुम्हारे कर्म ही ऐसे हैं, जो दिन-रात माता जी से घुड़कियाँ खाते रहते हो।
- **घाव पर नमक छिड़कना** *(दु:खी को और अधिक दु:खी करना)* मैं तो अपने मोबाइल चोरी हो जाने से दु:खी था। सविता ने मेरा मज़ाक बनाकर मेरे घाव पर और नमक छिड़क दिया।

- **चक्कर खाना** *(परेशान हो जाना)* आज का प्रश्न-पत्र इतना कठिन और लंबा था कि अच्छे-अच्छे पढ़ाकू भी चक्कर खा गए।
- **चुल्लू भर पानी देने वाला** *(कठिनाई भरे समय में मदद करने वाला)* तुमने इतना बुरा काम किया है कि तुम्हें अंतिम समय में कोई चुल्लू भर पानी देने वाला भी नहीं होगा।
- **ज़हर लगना** *(बुरा लगना)* रमेश को मेरी अच्छी बातें भी ज़हर लगती हैं।
- **जी ललचाना** *(लालच आ जाना)* गरम-गरम जलेबियाँ देखकर मेरा जी ललचा गया।
- **जी तोड़ मेहनत करना** *(बहुत मेहनत करना)* प्रिया इस बार कक्षा में प्रथम आने के प्रति गंभीर है। इसलिए वह जी तोड़ मेहनत कर रही है।
- **जिगर के टुकड़े-टुकड़े होना** *(दिल को भारी दुःख पहुँचना)* जब से अंकित को अपने फेल होने का पता चला है, उसके जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो गए हैं।
- **तलवार खींचना** *(लड़ने को तैयार हो जाना)* मोहन से बहस मत करना, वह बात-बात पर तलवार खींच लेता है।

Scanned with CamScanner

- **दाँतों पसीना आना** *(बहुत परेशानी उठाना)* यह मकान इतनी दूर था कि मुझे इस मकान को ढूँढने में दाँतों पसीना आ गया।
- **दिमाग होना** *(घमंड होना)* तुमने इस बार यह छोटी-सी कविता क्या सुना दी कि तुम्हारा तो दिमाग हो गया है।
- **टूट पड़ना** *(झपट पड़ना)* रानी लक्ष्मीबाई अपने शत्रुओं पर तलवार लेकर टूट पड़ी।
- **पहाड़ होना** *(बड़ी मुसीबत होना)* रात में जब आमिर का पर्स खो गया, तो सुबह तक इंतजार करने में उसे एक क्षण काटना भी पहाड़ हो गया।
- **पास फटकना** *(नज़दीक आना)* जब मैं बीमार होकर अस्पताल में भर्ती हुआ था, उस समय कोई भी मित्र मेरे पास नहीं फटकता था कि कहीं उसे मेरी मदद न करनी पड़े।
- **प्राण निकलना** *(भयभीत होना)* रात के बारह बजे घर से बीस किमी पहले उस अनजान सड़क पर मेरे स्कूटर का पेट्रोल खत्म हो गया, तो स्कूटर को पैदल खींचते-खींचते मुझे ऐसा लगा जैसे मेरे प्राण निकलने वाले हैं।
- **पन्ने रँगना** *(बेकार में लिखना)* मुझे संगीता का निबंध देखकर ऐसा लगा जैसे उसने यूँ ही पन्ने रंगने की कोशिश की है।
- **पापड़ बेलना** *(काम करना)* तुम्हें क्या लगता है कि मैं आज ऐसे ही मजे कर रहा हूँ? यहाँ तक आने के लिए मुझे बहुत पापड़ बेलने पड़े हैं।

Scanned with CamScanner

- **पैसे-पैसे को मुहताज होना** *(बहुत गरीब हो जाना, भयंकर आर्थिक परेशानी होना)* गिरिराज को व्यापार में नुकसान क्या हुआ, वह पैसे-पैसे को मुहताज हो गया है।
- **बे-सिर-पैर की बातें** *(व्यर्थ की बातें)* कक्षा में जाकर पढ़ाई करो, यहाँ बे-सिर-पैर की बातें करने से कोई लाभ नहीं है।
- **बे-राह चलना** *(गलत मार्ग पर चलना)* कुछ दिनों से मुझे ऐसा लग रहा है कि शालिनी बे-राह चलने लगी है।
- **मुठभेड़ होना** *(आमना-सामना हो जाना)* कल रात तहसील रोड पर पुलिस और बदमाशों के बीच भयंकर मुठभेड़ हुई।
- **राह लेना** *(चले जाना)* यदि तुम्हें मुझसे कोई आवश्यक काम नहीं है, तो अपनी राह लो।
- **लगती बात** *(चुभती बात)* मुझे लगता है कि रजिया की बड़ी बहन रजिया से इसलिए नाराज़ है, क्योंकि रजिया ने उसे लगती बात कह दी थी।
- **लोहे के चने चबाना** *(बहुत संघर्ष करना)* इस बार दो माह तक बीमार होने के कारण उत्तीर्ण होने में मुझे लोहे के चने चबाने पड़े। **CCE 2012**
- **शब्द चाटना** *(अच्छी तरह से पढ़ना)* दीपाली इस बार अपनी सफलता के लिए इसलिए निश्चिंत दिखाई दे रही है, क्योंकि उसने पुस्तकों का एक-एक शब्द चाट लिया है।

CS Scanned with CamScanner

लगता है कि यशपाल को

- **सिर फिरना** *(घमंडी हो जाना)* मुझे लगता है कि यशपाल को मिली इस सफलता से उसका सिर फिर गया है।
- **सिर पर तलवार लटकना** *(खतरा बने रहना)* बॉर्डर पर फौजियों के सिर पर हमेशा नंगी तलवार लटकी रहती है।
- **हाथ लगना** *(मिल जाना, प्राप्त होना)* यह पुस्तक मुझे बहुत मेहनत करने के बाद हाथ लगी है।
- **हाथ डालना** *(काम आरंभ करना)* पिताजी कह रहे थे कि शुरू में उन्होंने जिस भी काम में हाथ डाला, उसी में नुकसान हुआ।
- **हाथों में लेना** *(काम की ज़िम्मेदारी स्वीकार करना)* मुझे अपने कर्त्तव्य का ज्ञान है, इसलिए मैंने इस काम को अपने हाथों में लेने का निश्चय किया है।
- **हाथ-पाँव फूल जाना** *(घबरा जाना)* जैसे ही गिरहकट ने स्वयं को दोनों ओर से पुलिस से घिरा हुआ देखा, उसके हाथ-पाँव फूल गए।
- **हँसी-खेल होना** *(छोटी-मोटी बात होना)* ये डॉक्टरी की पढ़ाई है, कोई हँसी-खेल नहीं है।
- **हिम्मत टूटना** *(साहस समाप्त हो जाना)* आज मेरे मित्र ने ईमानदारी को व्यर्थ की बात कहा, तो मेरी ईमानदारी की हिम्मत टूट गई।
- **हेकड़ी जताना** *(अकड़ दिखाना, घमंड दिखाना)* आजकल के युवकों को पता नहीं क्या हो गया है, पहले तो एक युवक ने मेरी मोटरसाइकिल को टक्कर मारी और ऊपर से मुझे ही हेकड़ी दिखाने लगा।

CS Scanned with CamScanner

डायरी का पन्ना (सीताराम सेकसरिया)

- **ठंडा पड़ना** *(कम हो जाना, ढीला पड़ जाना)* जैसे ही नेताजी का शहर का दौरा समाप्त हुआ, सड़कों पर होने वाला सरकारी काम ठंडा पड़ गया।
- **रंग दिखाना** (असर दिखाना) जब से डीजल की कीमतें बढ़ी हैं, बस वालों ने भी रंग दिखाना शुरू कर दिया है।

तताँरा-वामीरो कथा (लीलाधर मंडलोई)

- **आँखों में तैरना** *(याद आना, मन में प्रकट होने लगना)* कभी-कभी विभा को ऐसा लगता है कि जैसे उसके अपने बचपन के दिन आँखों में तैरने लगे हैं।
- **खुशी का ठिकाना न रहना** *(अत्यंत प्रसन्न होना)* जब मैंने अपनी पहली कमाई से यह साइकिल खरीदी थी, तो मेरी खुशी का ठिकाना न रहा।
- **बाट जोहना** *(इंतजार करना)* मीराबाई पूरी उम्र श्रीकृष्ण की बाट जोहती रही।
- **राह न सूझना** *(उपाय न मिलना)* मुसीबत की इस घड़ी में माधुरी को कोई राह नहीं सूझ रही।
- **आवाज़ उठाना** *(विद्रोह करना)* अंग्रेजों के विरुद्ध भारतीयों ने आवाज़ उठाई।
- **सुध-बुध खोना** *(अपने होश में न रहना, अपने वश में न रहना)* जैसे ही मीताली को अपने पुत्र की मृत्यु का दुःखद समाचार मिला, उसकी सुध-बुध खो गई।
- **सुराग न मिलना** *(पता न चलना)* तीन दिन हो गए हैं, लेकिन मेरे कुत्ते का सुराग ही नहीं मिल पा रहा है।

Scanned with CamScanner

तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र (प्रहलाद अग्रवाल)

- **तराजू पर तौलना** *(सही-गलत का निर्णय करना)* एक प्रसिद्ध महात्मा ने कहा था कि कोई बात कहने से पहले उसे सौ बार तराजू पर तौल लेना चाहिए।
- **सातवें आसमान पर होना** *(ऊँचाई पर होना)* जब से रंजीत के पुत्र की एयरफोर्स में नियुक्ति हुई है, उसका दिमाग सातवें आसमान पर है।
- **हावी होना** *(प्रभावी होना, सामने वाले को अपने प्रभाव में ले आना)* किशोर से सावधान रहना, ज़रा भी कमज़ोर हुए तो वह तुम पर हावी हो जाएगा।
- **चेहरा मुरझाना** *(उदास होना)* राकेश की माँ ने उसे खिलौना नहीं दिलाया तो उसका चेहरा मुरझा गया।
- **चक्कर खा जाना** *(उलझ जाना)* राधा की चतुराई देखकर पिताजी भी चक्कर खा गए।
- **दो से चार बनाना** *(हेरा-फेरी करना)* 'तीसरी कसम' फिल्म की संवेदना किसी दो से चार बनाने वाले की समझ से परे है।
- **आँखों से बोलना** *(इशारे में बोलना)* राजकपूर को आँखों से बोलने वाला अभिनेता माना जाता है।

Scanned with CamScanner

हरिहर काका (मिथिलेश्वर)

- **आँख भर आना** *(आँसू आ जाना)* मुझे यह फ़िल्म इतनी अच्छी लगी कि देखने के दौरान ही कई बार मेरी आँखें भर आईं।
- **खून खौलना** *(गुस्से में आ जाना)* कारगिल युद्ध में अनेक जवानों के शहीद होने का समाचार मिलते ही हर भारतवासी का खून खौलने लगा।
- **गिद्ध दृष्टि** *(बुरी नज़रें)* आजकल समय इतना खराब हो गया है कि छोटे बच्चों को बुरे लोगों की गिद्ध दृष्टि से हर समय बचाना पड़ता है।
- **तू-तू , मैं-मैं होना** *(झगड़ा होना)* आज सुबह मेरी अपनी बहन से तू-तू , मैं-मैं हो गई।
- **तूती बोलना** *(बहुत प्रभाव होना)* बांग्लादेश निर्माण के बाद इंदिरा गाँधी की विश्वभर में तूती बोलने लगी।

Scanned with CamScanner

- **दिल पसीजना** *(मन में दया का भाव आ जाना)* उस बूढ़े भिखारी को इस सर्दी में केवल एक फटी चादर ओढ़े देखकर मेरा दिल पसीज गया।
- **दूध की मक्खी** *(बेकार की वस्तु)* मैंने लंबे समय तक उस व्यापारी की सेवा की और आज मेरा हाथ टूट जाने पर वह मुझे दूध की मक्खी समझने लगा है।
- **धमाचौकड़ी मचाना** *(उछल-कूद करना, शैतानी करना)* जैसे ही छुट्टी का घंटा बजा, छात्रों की धमाचौकड़ी मचनी शुरू हो गई।
- **फरार होना** *(भाग जाना)* चोर इतना चालाक था कि उसने सिपाही की लापरवाही का फायदा उठाया और फरार हो गया।
- **फूटी आँख न सुहाना** *(तनिक भी न सुहाना)* नीता की सौतेली माँ को नीता फूटी आँख नहीं सुहाती। वह हमेशा उस पर अत्याचार करती रहती है।
- **रँगे हाथ पकड़ना** *(गलती करते हुए पकड़े जाना)* आज सुबह कक्षा में विनीत, विनय के बैग से उसकी किताब चुराते हुए रँगे हाथ पकड़ा गया।

Scanned with CamScanner

पाठ्यपुस्तक (स्पर्श भाग-2) में प्रयु

साखी (कबीर)

- **आपा खोना** *(अत्यधिक क्रोध में आना)* बस कंडक्टर की गाली सुनकर छात्र अपना आपा खो बैठा और उसने कंडक्टर का कॉलर पकड़ लिया।
- **अँधियारा मिटना** *(अज्ञानता दूर हो जाना)* राजेश ने जैसे ही ज्ञानी महात्मा की बातें सुनीं, उसका सारा अँधियारा मिट गया।
- **घर जलाना** *(सब कुछ बलिदान कर देना)* देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए बहुत से आंदोलनकारियों ने अपने घर जलाने में भी संकोच नहीं किया।

पद (मीरा)

- **लाज रखना** *(सम्मान बचाना)* घर में अचानक मेहमान आ गए और उनके स्वागत-सत्कार के लिए फूटी कौड़ी नहीं थी। ऐसे में अलमारी में छिपाकर रखे हुए सौ रुपये के नोट ने उमा की लाज रख ली।

तोप (वीरेन डंगवाल)

- **मुँह बंद होना** *(चुप हो जाना)* कविता बहुत होशियार बनी फिरती थी, आज कक्षा में अध्यापिका ने उससे ऐसे-ऐसे प्रश्न पूछे कि उसका मुँह बंद

- **चक्कर** कठिन
गए।
- **चुल्लू** वाला) कोई
- **जहर** लगती
- **जी ल** मेरा
- **जी तो** में प्र कर
- **जिगर** से अ के
- **तलव** कर

परियोजना कार्य और गृहकार्य ---

1.प्रश्न-दिए गए लोकोक्तियों और मुहावरों को मनन करके |

2.बड़े भाई साहाब से कोई भी दस लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग करें,और A4 Size paper में लिखें |

•धन्यवाद